यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106 / 107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26 / 2 / 4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3 / 17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन / फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2019–22 / 125 / 2020 **दिनांक :** 31.07.2020

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों / अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

एआईबीईए की केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक

एआईबीईए की केन्द्रीय कार्यसमिति की एक आभासी बैठक कल दिनांक 30.7.2020 को सम्पन्न हुई। बैठक में हुई चर्चाओं तथा लिए गए निर्णयों के विषय में एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय द्वारा परिपत्र संख्या 28 / 223 / 2020 / 61 दिनांक 30.07.2020 जारी किया गया है जिसका अनूदित सार सभी इकाईओं एवं सदस्यों की सूचना, संज्ञान एवं अनुपालन हेतु नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

- **एआईबीईए की केन्द्रीय कार्यसमिति सहमति–पत्र की प्रशंसा करती है**
- **बैंकों के निजीकरण के किसी भी कदम के खिलाफ लगातार और आंतरापिक हड़तालों सहित देशव्यापी संघर्ष शुरू करने का निर्णय लेती है**

एआईबीईए की केन्द्रीय कार्यसमिति की एक आभासी बैठक जूम ऐप के माध्यम से आज आयोजित की गई। एआईबीईए के अध्यक्ष, साथी राजेन नागर ने बैठक की अध्यक्षता की।

शोक : बैठक में गलवान शहीदों, साथी एस बी कार, एटक के नेता तथा उड़ीसा से एआईबीईए के पूर्व सामान्य परिषद सदस्य, साथी साथी एम के मेहता, गुजरात बैंक वर्कर्स यूनियन के वरिष्ठ नेता एवं एआईबीईए के पूर्व सामान्य परिषद सदस्य, साथी एस वी डांगे, ऑल इंडिया यूनियन बैंक इम्प्लाईज एसोसिएशन के पूर्व नेता एवं एआईबीईए के पूर्व सामान्य परिषद सदस्य, साथी रणजय भट्टाचार्या, मेघालय बैंक इम्प्लाईज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पीएनबी यूनियन के नेता, कोरोना वायरस के शहीदों, प्रवासी श्रमिकों जिन्होंने वर्तमान महामारी में अपना जीवन गंवा दिया, विजाग गैस लीक हादसे में जान गंवाने वालों, पश्चिम बंगाल में अम्फान चक्रवात में जान गंवाने वालों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों जिनका हाल की अवधि के दौरान निधन हो गया, के प्रति अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया।

सहमति–पत्र का स्वागत किया :

महामंत्री ने आईबीए के साथ अब तक हुई वार्ताओं की संपूर्ण पृष्ठभूमि तथा यूएफबीयू द्वारा 22.7.2020 को आईबीए के साथ हस्ताक्षरित सहमति–पत्र के विवरण तथा महत्व के बारे में बताया।

संपूर्ण केन्द्रीय कार्यसमिति ने एक स्वर से सहमति–पत्र का एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में स्वागत किया और एआईबीईए के नेतृत्व के साथ–साथ यूएफबीयू / घटक यूनियनों को इसे हासिल करने के लिए बधाई दी।

बैठक ने नोट किया कि ऐसी परिस्थितियों में जहां पूरा देश स्वास्थ्य आपातकाल का सामना कर रहा है और महामारी की स्थिति के कारण अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, सहमति–पत्र एक मील का पत्थर है जिसने वेतन पुनरीक्षण पर एक शीघ्र अंतिम समझौते का मार्ग प्रशस्त किया है।

बैठक में नई विशेषताओं जैसे कि पीएलआई योजना, त्यौहारों के अवसर पर अर्जित अवकाश का वार्षिक नकदीकरण, नई पेंशन योजना द्वारा कवर कर्मचारियों के लिए प्रबंधन का अंशदान 14%, आदि पर भी ध्यान दिया गया। बैठक यह जानकर भी खुश थी कि आईबीए ने 30% की एक समान दर पर और उस पर बिना किसी सीमा के पारिवारिक पेंशन में सुधार करने का निर्णय लिया है।

बैठक ने महसूस किया कि एआईबीईए और यूएफबीयू को सहमति–पत्र को जल्द से जल्द एक पूर्ण समझौते में बदलने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

इसे देखते हुए, केन्द्रीय कार्यसमिति ने सहमति–पत्र की प्रशंसा करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव अंगीकृत किया।

कामगार–विरोधी श्रम सुधारों और जन–विरोधी आर्थिक नीतियों के विरूद्ध संघर्ष

केन्द्रीय कार्यसमिति ने कामगार वर्ग की हानि के लिए श्रम कानून बदलावों को जल्दी पूरा करने के सरकार के आक्रामक प्रयासों को गंभीरता से नोट किया। इसी प्रकार, बैठक ने सार्वजनिक क्षेत्र इकाईओं के निजीकरण और विनिवेश पर अपने उपायों के साथ आगे बढ़ने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर ध्यान दिया।

बैठक ने यह खेद भी व्यक्त किया कि वर्तमान महामारी की स्थिति में कामगारों और कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को कम करने के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त उपाय नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर, सरकार कॉर्पोरेट्स और निजी क्षेत्र को सभी रियायतें देने में व्यस्त थी।

बैठक ने अपनी सभी यूनियनों और सदस्यों से इन मुद्दों पर अन्य क्षेत्रों में होने वाले संघर्षों और हड़तालों का समर्थन करने और केन्द्रीय श्रम संगठनों द्वारा दिए जाने वाले किसी भी हड़ताल के आह्वान में भागीदारी के लिए भी तैयार रहने का आह्वान किया।

बैंकों के निजीकरण के कदम के विरूद्ध निरंतर हड़ताली कार्रवाईयों के लिए तैयार रहें

केन्द्रीय कार्यसमिति ने पिछले कुछ दिनों से हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण करने के सरकार के प्रयासों के बारे में प्रैस तथा मीडिया रिपोर्टों को गंभीरता से नोट किया। जहां तक एआईबीईए की बात है, सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग एक दृढ़ विश्वास है और इसलिए सरकार की ओर से ऐसे किसी भी प्रयास का समर्थन नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने हमारे देश के आर्थिक विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है और इसे और अधिक सुदृढ़, पूंजीकृत और विस्तारित किया जाना चाहिए और निजीकरण नहीं किया जाना चाहिए।

बैठक ने एआईबीईए के पदाधिकारियों को प्रगति के आधार पर पुनरावृत्त, आंतरापिक और निरंतर हड़ताल कार्रवाईयों सहित किसी भी आह्वान का निर्णय करने और योजना बनाने के लिए अधिकृत किया।

बैठक में बैंकों के ऐसे निजीकरण के खिलाफ यूएफबीयू के ध्वज तले एकजुट संघर्ष विकसित करने की पहल करने का भी निर्णय लिया गया।

अभिवादन सहित,

आपका साथी
ह...
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री